आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–16 जुलाई 2025 **सान्ध्य समाचार**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आज कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बैठक के बाद सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया से बातचीत करते हुए कैबिनेट में हुए निर्णयों की जानकारी दी। प्रस्तुत है एक रिपोर्ट–

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए आज हुई बैठक में प्रधानमंत्री धन–धान्य कृषि योजना को मंजूरी दे दी। इस योजना का उद्देश्य फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, कटाई के बाद भंडारण क्षमता बढ़ाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाना है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना के तहत देश भर में सौ जिलों की पहचान की जाएगी, जो तीन प्रमुख संकेतांकों – कम उत्पादकता, कम फसल सघनता और कम ऋण वितरण – पर आधारित होंगे। इस योजना को ग्यारह विभागों की 36 मौजूदा योजनाओं और अन्य राज्य योजनाओं के सम्मिलन के माध्यम से लागू किया जाएगा। श्री वैष्णव ने कहा कि इस योजना से देश के एक करोड़ 70 लाख किसानों को मदद मिलेगी। समाचार कक्ष से मैं अरुण।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा की सराहना करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया।

****

संसद के मॉनसूत्र सत्र से पहले केंद्र सरकार ने रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। बैठक में सरकार दोनों सदनों के सुचारू संचालन के लिए सभी राजनीतिक दलों से सहयोग का आह्वान करेगी। मॉनसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा।

****

प्रदेश में अब विशिष्ट वनों की स्थापना होगी। इसे लेकर अलग–अलग प्रभागों को राज्य स्तर पर मुख्य आयोजन कर वन स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। अट्ठारह जुलाई को पीलीभीत से एकलव्य वन की स्थापना के साथ ही विशिष्ट वनों की श्रृंखला का शुरूआत होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य स्तरीय सभी आयोजनो को उत्सव के रूप में मनाने का संदेश दिया है। प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी ने बताया कि **एक पेड़ मॉ के नाम** अभियान के द्वितीय चरण के तहत यह आयोजन उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के नोडल अधिकारी संबंधित क्षेत्र के जोनल या मंडण्लीय मुख्य संरक्षक होंगे।

****

विधानसभा और लोकसभा के निर्वाचन की मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आज लखनऊ में प्रदेश के उन्तीस जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी को प्रशिक्षण दिया। इस दौरान उन्होंने भारत निर्वाचन आयोग के कार्यक्रमों और दिशा–निर्देशों से अवगत कराने के साथ ही मतदाता सूची अपडेट करने और निर्वाचन सम्बन्धी कानूनों की जानकारी दी। श्री रिणवा ने प्रत्येक मतदेय स्थल पर अधिकतम बारह सौ मतदाताओं की संख्या सुनिश्चित करने और परिवार के सदस्यों का नाम एक ही पोलिंग बूथ की मतदाता सूची में दर्ज कराने के निर्देश दिये। प्रशिक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारियों को बीएलओ और वोटर हेल्पलाइन ऐप की भी जानकारी दी गयी।

****

वाराणसी जिले के रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में अठारह जुलाई से शुरू हो रहे आध्यात्मिक समिट नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत की तैयारियां तेज हो गई हैं। यह समिट बीस जुलाई तक आयोजित होगा। केंद्रीय युवा मामले और खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने आज सेंटर का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प के लिए युवाओं का नशा मुक्त होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह ऐतिहासिक कार्यक्रम होने जा रहा है, जिसमें देश भर से युवा हिस्सा लेंगे। इसमें विभिन्न मंत्रालयों के सहयोग के साथ–साथ धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों को भी बुलाया जा रहा है।

****

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड–सीबीएसई ने विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए स्कूलों में तेल बोर्ड स्थापित करने को कहा है। सीबीएसई ने इस संबंध में सभी स्कूल प्रमुखों को पत्र लिखा है। एक रिपोर्ट–

सीबीएसई ने पौष्टिक और स्वास्थ्य वर्धक भोजन विकल्पों की उपलब्धता और गतिविधि उपायों के माध्यम से स्कूलों में स्वस्थ भोजन और शारीरिक गतिविधियों को बढ़ावा देने को कहा है। बोर्ड ने विद्यार्थियों को सीढ़ियों का उपयोग करने, छोटे व्यायाम अवकाश आयोजित करने और पैदल चलने के मार्गों को सुगम बनाने के लिए भी कहा है। दीपेन्द्र की रिपोर्ट के साथ समाचार कक्ष से वैष्णवी।

****

भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में आषाढ़ पूर्णिमा से शुरू होकर अश्विन पूर्णिमा तक तीन माह के लिये चलने वाला वर्षाभास शुरू हो गया है। बौद्ध धर्म में वर्षाभास का अत्यंत महत्व है। इसके तहत थाईलैंड के विभिन्न मोनास्ट्री से बौद्ध भिक्षु कुशीनगर में रहकर तीन महीने तक आध्यात्मिक चिंतन मनन करेंगे। थाई मोनास्ट्री के प्रभारी चखुन सोमपोंग और चखुन सोंगक्रान के नेतृत्व वर्षाभास में शामिल होने के लिए थाईलैंड से बौद्ध भिक्षु कुशीनगर पहुंचे हैं।

****